LEARNING

Generalization

Date 15/04/2020

Saathi

सामान्यीकरण का अर्थ एवं स्वरूप (Meaning and nature of generalization) :- सामान्यीकरण का सामान्य अर्थ होता है अनुक्रियाओं का फैलाव। पैवलव के अनुसार अनुकूलन में सामान्यीकरण की विशेषता पाई जाती है जब प्राणी एक तटस्थ या अनुकूलित उद्दीपन (CS) के प्रति कोई अनुकूलित प्रतिक्रिया (CR) करना सीख लेता है तो उस उद्दीपन के समान इससे उद्दीपन ($CS_1, CS_2 \cdots CS_8$) के प्रति भी वही अनुकूलित प्रतिक्रिया दुहराता है। Pavlov ने पाया कि कुत्ते के घंटी की आवाज पर लार टपकाना सीख जाने के बाद उस आवाज से मिलती जुलती दूसरी आवाज के उत्पन्न की गई तो कुत्ते ने उसके प्रति भी लार टपकाई। यह भी देखा गया कि जब दूसरी आवाज (CS_2) पहली आवाज (CS_1) से अधिक भिन्न रखी गई तो कुत्ते ने दूसरे आवाज पर लार गिराने का व्यवहार नहीं किया। इससे पता चलता है कि उद्दीपन सामान्यीकरण का आधार पहली अनुकूलित उद्दीपन (CS_1) दूसरी अनुकूलित उद्दीपन (CS_2) के बीच समानता है। यह भी देखा गया कि पहली अनुकूलित उद्दीपन (CS_1) से अन्य तटस्थ उद्दीपन ($CS_2, CS_3 \cdots CS_8$) ज्यों-ज्यों भिन्न होता जाता है प्राणी की प्रतिक्रिया की मात्रा घटती जाती है। इस तरह की घटना को उद्दीपन सामान्यीकरण (Stimulus generalization) कहा जाता है।

Pavlov ने अध्ययन में पाया कि घंटी को CS के रूप में उपयोग करने पर घंटी की आवाज से सिर्फ कुत्ता लार स्राव की अनुक्रिया ही नहीं करता है

Scanned with CamScanner

Date __/__/__

बल्कि अन्य कुछ उससे जुड़ी अनुक्रियाएँ भी करता है। जैसे कान खड़ा करना, भोजन ट्रे की ओर देखना आदि अनुक्रियाएँ भी कुत्ता कुत्ता द्वारा की जाती है। इस तरह की घटना को अनुक्रिया सामान्यीकरण (response-generalization) कहा जाता है। उद्दीपन सामान्यीकरण अनुक्रिया सामान्यीकरण की अपेक्षा अधिक सुस्पष्ट एवं मजबूत होता है।

मनुष्य पर किए गये प्रयोगों से भी सामान्यीकरण की विशेषता का प्रमाण मिलता है। वाटसन रेनर Watson Raynor 1920) ने अपने लड़के अलबर्ट पर प्रयोग किया। पहले उसमें पशु के प्रति कोई भय नहीं था परन्तु उजला चूहा देने के बाद एक तेज आवाज उत्पन्न की गयी जिससे अलबर्ट डर गया। ये क्रिया बार-2 दुहराया गया। बाद में देखा गया कि ज्योंहि चूहा को उपस्थित किया गया, वह डर से चिल्लाने लगा। बाद में वह सभी समान उजले चीजों से डरने लगा। इस प्रयोग से यह स्पष्ट होता है कि मनुष्यों में भी सामान्यीकरण की विशेषता पायी जाती है।

Nishikant Jaiswal
Assistant Professor
Dept of Psychology
Dr. L.K.V.D college Tajpur
Samastipur

Scanned with CamScanner